ब्रिलिएंट पब्लिक स्कूल

सीपत रोड, बहतराई, बिलासपुर (छ.ग.)

वार्षिक परीक्षा - 2017-18

कक्षा - नवमी

विषय - हिन्दी

समय–3:00 घंटे   अंक–80

दिनांक–28.02.2018   दिन–बुधवार

सामान्य निर्देश

(1) सभी उत्तर उत्तरपुस्तिका में ही लिखें।
(2) प्रश्न पत्र में अपने अनुक्रमांक (रोल नं.) के अतिरिक्त और कुछ ना लिखें।
(3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।
(4) मात्राओं की त्रुटि पर अंक काटे जाएँगे।
(5) सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

खण्ड – (क)

प्र.1 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **8**

भोजन संबंधी भूलों में सबसे बड़ी भूल बिना भूख खाना है। बिना भूख खाना अपने शरीर के साथ अपराध करना है। प्रायः लोगों का विचार है कि अधिक खाने से शरीर हष्ट–पुष्ट होता है और कम खाने से शरीर कमजोर। यह धारणा बिल्कुल गलत और स्वास्थ्य के नियमों का ज्ञान न होने का सूचक है। सभ्य समझी जाने वाली जातियों में यह प्रथा अधिक प्रचलित है। यही कारण है कि उनमें अपच का रोग बहुत अधिक होता है। मनुष्य ही एक ऐसा प्राणी है, जो भूख न लगने पर भी भोजन करता है। अन्य कोई प्राणी बिना तेज भूख लगे भोजन नही करता। भोजन को कभी कर्तव्य नहीं समझना चाहिए और न ही उसका अभ्यास डालना चाहिए। भोजन ऐसा होना चाहिए जो संतुलित हो, ताजा हो और शीघ्र पच जाने वाला हो। ऐसा भोजन करने से हम दीर्घायु, स्वस्थ तथा निरोग होते हैं।

(i) बिना भूख खाना अपने शरीर के साथ अपराध क्यों है?
(ii) अपच का रोग किनमें अधिक पाया जाता है?
(iii) भोजन के विषय में मनुष्य और पशुओं में क्या अंतर है?
(iv) संतुलित, सुपाच्य और ताजा भोजन का शरीर पर क्या असर होता है?
(v) 'कमजोर' शब्द के दो पर्यायवाची लिखें।

प्र.2 निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **7**

ब्रह्मा से कुछ लिखा भाग्य में, मनुज नहीं लाया है
अपना सुख उसने अपने, भुजबल से ही पाया है
प्रकृति नहीं डरकर झुकती है, कभी भाग्य के बल से
सदा हारती वह मनुष्य के , उदयम से, श्रम – बल से
ब्रह्मा का अभिलेख पढ़ा, करते निरूद्यमी प्राणी
धोते वीर कु – अंक भाल के, बहा ध्रुवों से पानी
भाग्यवाद आवरण पाप का, और शस्त्र शोषण का
जिससे रखता दबा एक जन, भाग दूसरे जन का।

(i) प्रकृति मनुष्य से किस कारण हारती है?
(ii) मनुष्य ने सुख कैसे पाया है?
(iii) भाग्य का लेख लोग किस प्रकार मिटाते है?
(iv) 'पाप का आवरण' एवं 'शोषण का शस्त्र' किसे कहा गया है?
(v) पद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दें।

Brilliant public school, Bilaspur
SAMPLE PAPERS

खण्ड – (ख)

प्र.3 (क) दिए गए शब्द से उपसर्ग व मूलशब्द अलग करें। 2

(i) समुचित (ii) लाजवाब

(ख) मूलशब्द व प्रत्यय अलग करें। 2

(i) पीड़ित (ii) दर्शनीय

प्र.4 रेखांकित समास विग्रह को सामासिक शब्दों में लिखकर भेद भी लिखिए – 3

(i) जीवन में सुख और दुख आते – जाते रहते हैं।
(ii) यह तीन रंगों का समाहार हमारे देश की शान है।
(iii) दश आनन वाले ने सीता का हरण किया था।

प्र.5 अर्थ के आधार पर वाक्य के प्रकार बताइए – 4

(i) क्या मेरा पत्र आपको मिला?
(ii) ओह! कैसे काले – काले मेघ घिर आए हैं।
(iii) हो सकता है वह बाजार गया हो।
(iv) चलो, चलें।

प्र.6 निम्नलिखित काव्य पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकारों के नाम लिखिए – 4

(i) तीन बेर खाती थी वह तीन बेर खाती है।
(ii) मेघ आए बड़े बन – ठन के सँवर के।
(iii) हनुमान की पूँछ में, लगन न पाई आग।
लंका सिगरी जरि गई, गए निशाचर भाग।
(iv) पायो जी मैंने राम – रतन धन पायो।

खंड – ग

प्र.7 निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 1+2+2

प्रेमचंद का एक चित्र मेरे सामने है, पत्नी के साथ फोटो खिंचा रहे हैं। सिर पर किसी मोटे कपड़े की टोपी, कुरता और धोती पहने हैं, कनपटी चिपकी है, गालों की हड्डियाँ उभर आई हैं, पर धनी मूँछे चेहरे को भरा – भरा बतलाती है, पाँवों में केनवस के जूते हैं जिनके बंद बेतरतीब बँधे हैं। लापरवाही से उपयोग करने पर बंद के सिरों पर की लोहे की पतली निकल जाती है और छेदों में बंद डालने में परेशानी होती है। तब बंद कैसे भी कस लिए जाते हैं।

(i) लेखक के सामने किसका चित्र है?
(ii) जूतों के बंद को बेतरतीब से क्यों बाँध लिया गया है?
(iii) चित्र के आधार पर व्यक्ति की दो स्वाभाविक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

प्र.8 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दीजिए – (कोई –4) 8

(i) लेखक ने उपभोक्ता संस्कृति को हमारे लिए चुनौती क्यों कहा है?
(ii) 'सांवले सपनो की याद' शीर्षक की सार्थकता पर टिप्पणी कीजिए।
(iii) सर टामस 'हे' के मैना पर दया – भाव के क्या कारण थे?
(iv) 'मेरे बचपन के दिन' पाठ के आधार पर लेखिका ने अपनी माँ के व्यक्तित्व की किन विशेषताओं का उल्लेख किया है?
(v) गुरूदेव ने शांतिनिकेतन को छोड़ कहीं और रहने का मन क्यों बनाया?
(vi) मूक प्राणी मनुष्य से कम संवेदनशील नहीं होते। 'एक कुत्ता और एक मैना' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

Brilliant public school, Bilaspur
SAMPLE PAPERS

प्र.9 निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दें – 5

कोहरे से ढँकी सड़क पर बच्चे काम पर जा रहे हैं
सुबह – सुबह
बच्चे काम पर जा रहे हैं
हमारे समय की सबसे भयानक पंक्ति है यह
भयानक है इसे विवरण की तरह लिखा जाना
लिखा जाना चाहिए इस सवाल की तरह
काम पर क्यों जा रहे हैं बच्चे

(i) प्रस्तुत काव्यांश किस पाठ से लिया गया है?

(ii) उपरोक्त काव्यांश में कवि ने किस भयावहता की बात की है?

(iii) काव्यांश का आशय स्पष्ट करें।

प्र.10 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें – (कोई – 4) 8

(i) कवि ने सच्चे प्रेमी की क्या कसौटी बताई है?

(ii) कबीर ने ज्ञान के आगमन की तुलना सामान्य हवा से न करके आँधी से क्यों की?

(iii) ब्रजभूमि के प्रति कवि का प्रेम किन – किन रूपों में अभिव्यक्त हुआ है?

(iv) किस शासन की तुलना तम के प्रभाव से की गई है और क्यों?

(v) कवि ने गाँव को 'हरता जन मन' क्यों कहा है?

(vi) अलसी के लिए 'हठीली' विशेषण का प्रयोग क्यों किया गया है?

(vii) लता ने बादल रूपी मेहमान को किस तरह देखा और क्यों?

(viii) कवि को दक्षिण दिशा पहचानने में कभी मुश्किल क्यों नहीं हुई?

प्र.11 मूल्याधारित प्रश्न – 4

पुरखों की गाढ़ी कमाई से हासिल की गई चीजों को हराम के भाव बेचने को मेरा दिल गवाही नहीं देता, मालकिन के इस कथन के आलोक में विरासत के बारे में अपने विचार व्यक्त कीजिए।

अथवा

शंकर जैसे लड़के या उमा जैसी लड़की – समाज को कैसे व्यक्तित्व की जरूरत है? तर्क सहित उत्तर दीजिए।

खण्ड – (घ)

प्र.12 छोटे भाई को फिजूलखर्ची पर नियंत्रण करने की सलाह देते हुए पत्र लिखिए – 5

अथवा

अपने प्रधानाचार्या को एक पत्र लिखिए, जिसमें किसी दूसरे विद्यालय से फुटबाल मैच खेलने की अनुमति माँगी गई हो।

Brilliant public school, Bilaspur
SAMPLE PAPERS

प्र.13 समय से विद्यालय न पहुँचने पर छात्र व शिक्षक के मध्य का संवाद लिखें – 5

अथवा

आपके विद्यालय में भ्रष्टाचार विरोधी नाटक का मंचन किया गया। इस पर प्रतिवेदन प्रस्तुत कीजिए –

प्र.14 किसी एक विषय पर निबंध लिखिए – 10

(क) विद्यार्थी और राष्ट्र – निर्माण

संकेत बिंदु – i) राष्ट्र निर्माण में विद्यार्थी की भूमिका (ii) विद्यार्थी शक्ति (iii) योगदान (iv) जनचेतना का स्तंभ (v) उपसंहार

(ख) पर्यावरण और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक : प्लास्टिक की थैलियाँ

संकेत बिंदु – (i) हलकी होने पर भी असहनीय बोझ (ii) पर्यावरण और प्लास्टिक (iii) प्लास्टिक एक अभिशाप (iv) घातक परिणाम (v) समाधान

= = = 0 0 0 = = =

Brilliant public school, Bilaspur
SAMPLE PAPERS